डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली)

मोनाल

ई-न्यूज लैटर

Website : www.gpgckaranprayag.com

E-mail : gdc.kpg1979@gmail.com

अंक : द्वितीय | पृष्ठ : 8 | सितंबर : 2023

डॉ. आनन्द सिंह उनियाल
संयुक्त निदेशक
उच्च शिक्षा उत्तराखंड

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग चमोली अपनी गतिविधियों एवं आयोजनों का सचित्र प्रकाशन मासिक ई न्यूज लैटर मोनाल के माध्यम से कर रहा है। मोनाल के प्रथम अंक में राष्ट्रीय संगोष्ठी, कॉलेज रोडमैप, कैरियर काउंसलिंग, मेरी माटी-मेरा देश आदि कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया। महाविद्यालय का यह प्रयास रिकॉर्ड कीपिंग के साथ-साथ अध्यापकों व विद्यार्थियों की रचनात्मकता को भी उजागर करेगा। इस अभिनव प्रयोग के लिए मैं प्राचार्य, संपादक मंडल व समस्त महाविद्यालय को बधाई देता हूँ।

डॉ. आनन्द सिंह उनियाल

पीटीए की बैठक में अभिभावकों से मिला फीडबैक

4 सितंबर

अभिभावक शिक्षक परिषद की प्रथम बैठक में अभिभावकों से महाविद्यालय के बारे में फीडबैक लिया गया। एडुसेट सभागारमें आयोजित बैठक में प्राचार्य प्रो. के.एल.तलवाड़ ने उपस्थित अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि पीटीए महाविद्यालय और विद्यार्थियों के बीच एक सेतु का कार्य करती है। अभिभावकों से मिले फीडबैक ही कालेज के भावी कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करते हैं। पीटीए के सचिव डॉ.वाई.सी.नैनवाल ने बैठक का संचालन करते हुए महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाविद्यालय में एनएसएस, एनसीसी, रोवर-रेंजर्स, रेडक्रॉस, युवा पर्यटन क्लब, वाचनालय, कैरियर काउंसिलिंग सैल, क्रीड़ा आदि सुविधायें निःशुल्क उपलब्ध हैं। अभिभावकों ने ड्रेस कोड को प्रभावी ढंग से लागू करने का सुझाव व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने पर जोर दिया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष कुंवर सिंह नेगी, अभिभावक वीना पुरोहित, गंगोत्री, सुमन सेमवाल, गीता जोशी, कमला वशिष्ठ, दीपा पुरोहित, जानकी प्रसाद नौटियाल, लखपत पुरोहित सहित प्राध्यापक डॉ. रमेश भट्ट, डॉ. वेणीराम अन्थवाल, डॉ. हरीश रतूड़ी व डॉ. चन्द्रावती टम्टा मौजूद रहे।

महाविद्यालय के ई-न्यूज लैटर 'मोनाल' का प्राचार्य ने किया विमोचन

1 सितंबर

महाविद्यालय में ई-न्यूज लैटर 'मोनाल' का विमोचन किया गया। शुक्रवार को प्रो. के. एल. तलवाड़ ने प्राचार्य कक्ष में 'मोनाल' के प्रवेशांक (जुलाई-अगस्त 2023) का विधिवत विमोचन किया। ई-न्यूज लैटर में माह जुलाई-अगस्त में महाविद्यालय में आयोजित गतिविधियों और आयोजनों को सचित्र संकलित किया गया है। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो.सी.डी.सूंठा ने अपने संदेश में लिखा है कि 'मोनाल' के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों की बौद्धिक, वैचारिक एवं रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति उजागर होगी। ई-न्यूज लैटर के डिजाइनर डॉ. मदन लाल शर्मा ने बताया कि इसके माध्यम से कार्यक्रमों की रिकॉर्ड कीपिंग भी हो जायेगी और यह एक लागतरहित प्रकाशन है जो कि मासिक रूप में प्रकाशित होगा। इसके संपादक मंडल में डॉ. मृगांक मलासी, डॉ. मदन लाल शर्मा, डॉ. पंकज कुमार यादव सहित छात्र संपादक के रूप में अमीषा रावत, तनीषा सती और प्रज्ञा को सम्मिलित किया गया है। विमोचन कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह के अवसर पर हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित

2 सितंबर

संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत सप्ताह के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रावणी शुक्ल पूर्णिमा को प्रतिवर्ष सम्पूर्ण देश में संस्कृत दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए श्लोकोच्चारण, निबन्ध, संस्कृतगीत, सम्भाषण शिविर आदि कार्यक्रमों का आयोजन करवाया गया। प्राचार्य प्रो. तलवाड़ ने इस अवसर पर कहा कि भारत की दो ही प्रतिष्ठा है संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति। विभाग प्रभारी डॉ. चन्द्रावती टम्टा ने कहा कि संस्कृत हमारी धरोहर है, इसमें समस्त ज्ञान का भंडार है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मृगांक मलासी ने किया। शेष पृष्ठ सं..... 2 पर

पृष्ठ सं. 1 का शेष..... **महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह.....**

इन कार्यक्रमों में पोस्टर प्रतियोगिता में अमीषा रावत प्रथम, शिवानी द्वितीय, मानसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकलगान में रिया प्रथम, ऋतु द्वितीय एवं सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओ में भी छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम मे सात दिनों तक सम्भाषण शिविर का आयोजन भी डॉ. मृगांक मलासी द्वारा किया गया। सात दिनों तक चले इस कार्यक्रम में डॉ.मृगांक मलासी ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कृत में अपार रोजगार की सम्भावनाएँ हैं। इसके माध्यम से पत्रकारिता, सिविल सर्विसेस, प्राध्यापक, योग आदि के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। आज का युग संस्कृत का युग है। वर्तमान में नासा के अन्तर्गत संस्कृत भाषा में लिखी गयी कईं हजार पाण्डुलिपियों पर कार्य किया जा रहा है। अतः इस भाषा को सीखना समय की आवश्यकता भी है। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 27 अगस्त से प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम का समापन 2 सितम्बर 2023 को विधिवत रूप से हुआ।

वाणिज्य व भूगोल विभाग में समारोहपूर्वक हुआ शिक्षक दिवस का आयोजन

5 सितंबर

वाणिज्य विभाग के छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति तथा द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन् को याद किया गया तथा जीवन में गुरु की महानता पर प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ तथा वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापकों का समस्त छात्र-छात्राओं की ओर से स्वागत किया गया। वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. हरीश चंद्र रतूड़ी द्वारा छात्र-छात्राओं को अपने पठन-पाठन में आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण करने तथा अतिरिक्त कक्षा चलाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने पर जोर दिया गया। विभाग के प्राध्यापक श्री नेतराम ने कहा कि छात्र-छात्राओं को विद्यार्थी जीवन से ही भविष्य का लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूर्ण लगन व ईमानदारी से प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। डॉ. रविंद्र कुमार द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं को शैक्षिक गुरु और आध्यात्मिक गुरु का जीवन में महत्व बताया गया। प्राचार्य द्वारा छात्र-छात्राओं को वर्तमान में प्राध्यापकों से अधिकतम जानकारी प्राप्त करने पर जोर दिया गया तथा शीघ्र ही सभी छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म में आने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर श्री विजय कुमार, सुश्री हिना नौटियाल तथा श्री दीप सिंह द्वारा भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए तथा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया गया। इसी प्रकार भूगोल विभाग में भी विभाग प्रभारी डॉ. तौफिक अहमद, डॉ. रमेश भट्ट, डॉ. नेहा तिवारी पाण्डेय व नरेंद्र पंघाल के निर्देशन में शिक्षक दिवस पर सर्वपल्ली डॉ.राधाकृष्णन के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती मीना रियाल, जे.एस.रावत सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग में हुई विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित

5 सितंबर

शिक्षक दिवस के अवसर पर भौतिक विज्ञान विभाग में विभिन्न प्रोतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रोतियोगिता का शीर्षक आदित्य L1 मिशन था। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुखवीर सिंह, द्वितीय स्थान पर नवल किशोर जोशी, तृतीय स्थान पर सलोनी बिष्ट रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर नवल किशोर जोशी, द्वितीय स्थान पर मोनिका व तृतीय स्थान पर कामिनी और अभिजीत जोशी रहे। वाद- विवाद प्रोतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुखवीर सिंह, द्वितीय स्थान अभिषेक व तृतीय स्थान पर नवल किशोर जोशी रहे। प्रतियोगिताएं भौतिक विज्ञान के कमल किशोर द्विवेदी और जितेंद्र चौहान के निर्देशन में आयोजित हुई। इस अवसर पर पवन भंडारी व हरेन्द्र पंवार सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

एण्टी ड्रग्स सैल के तत्वावधान में हुई स्लोगन प्रतियोगिता

एण्टी ड्रग्स सैल के नोडल अधिकारी डॉ. वी. पी. भट्ट के निर्देशन में महाविद्यालय में नशे से होने वाली हानियों को रेखांकित करते हुए नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. दीक्षा रही । छात्रा द्वारा दिया गया नारा था – हर ओर अंधकार और निराशा है । नशे की बस यही परिभाषा है ।। द्वितीय स्थान कु.इशिका कंसवाल, एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ने प्राप्त किया। इशिका द्वारा रचित नारा था – नशे को जो अपनायेगा । पूरे जीवन वह पछतायेगा ।। तृतीय स्थान पर दो छात्राएँ रही। बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर कु. तनुजा रौतेला द्वारा नशे के प्रति जागरुक करवाने हेतु नारा दिया गया नशे का मत करो भोग । इससे होंगे अनेक रोग ।। वहीं तृतीय स्थान पर ही रही दूसरी छात्रा कु. मोनिका केडियाल, एम.एससी. ने नारा दिया - यदि चाहते हो अच्छी पीढ़ी । तो छोड़ो दारु, गुटखा व बीड़ी ।। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. तलवाड़, नोडल अधिकारी डॉ. वी. पी. भट्ट सहित अन्य प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

पं. गोविंद वल्लभ पंत की 136वीं जयंती के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को नकद धनराशि व प्रशस्तिपत्र देकर किया सम्मानित

महाविद्यालय के युवा पर्यटन क्लब के तत्वावधान में ली गई 'हिमालय प्रतिज्ञा'

8 सितंबर

महाविद्यालय में युवा पर्यटन क्लब के तत्वावधान में हिमालय बचाओ अभियान के अंतर्गत 'हिमालय प्रतिज्ञा' ली गई। प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने 'हिमालय प्रतिज्ञा' दिलवाते हुए कहा कि "हिमालय हमारे देश का मस्तक है। विराट पर्वतराज दुनिया के बड़े भू-भाग के लिए जलवायु, जन-जीवन और पर्यावरण का आधार है। इसके गगनचुंबी शिखर हमें नई ऊँचाई छूने की प्रेरणा देते हैं। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ कि मैं हिमालय की रक्षा का हरसंभव प्रयत्न करूँगा/करूँगी। ऐसा कोई काम नहीं करूँगा/करूँगी,जिससे हिमालय को नुकसान पहुँचता हो।" इस अवसर पर युवा पर्यटन क्लब के संयोजक डॉ. मदन शर्मा, सह संयोजक के. आर. डंगवाल व डॉ. मृगांक मलासी सहित समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित 'क्विज' में ऋषिता व रोहित रहे अव्वल

9 सितंबर

महाविद्यालय में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से सम्बन्धित क्विज प्रतियोगिता में ऋषिता व रोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने बताया कि उच्च शिक्षा निदेशालय से इस सम्बन्ध में क्विज प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए थे। इसी क्रम में अर्थशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री बी. एल. बैरवाण को क्विज प्रतियोगिता का संयोजक नियुक्त किया गया। केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए प्रश्नावली तैयार की गई। प्रश्नावली में प्रधानमंत्री जन धन, स्वच्छ भारत मिशन, सुकन्या समृद्धि, मेक इन इंडिया, कौशल विकास, सीएम वात्सल्य, मेरे बुजुर्ग-मेरे तीर्थ, निःशुल्क टैबलेट व हिम प्रहरी आदि योजनाओं से जुड़े 35 प्रश्न सम्मिलित किये गये थे। निर्णायक मंडल में सम्मिलित रहे डॉ. तौफिक अहमद, हिना नौटियाल व कमल किशोर द्विवेदी द्वारा क्विज प्रतियोगिता के परिणाम तैयार किये गये। प्रथम स्थान पर ऋषिका व रोहित, द्वितीय स्थान पर प्रज्ञा एवं तृतीय स्थान पर प्राची, अंकुर व नेहा रहे। विजयी प्रतिभागियों को प्राचार्य ने पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता आयोजन में विजय कुमार व स्वाति सुन्दरियाल ने सहयोग दिया।

136 वीं जयन्ती पर याद किये गये भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत

9 सितंबर

महाविद्यालय में भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 136वीं जयन्ती पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान डॉ.कविता पाठक के संयोजकत्व में 'भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में पं.गोविंद बल्लभ पंत का योगदान' विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अखिलेश, प्रज्ञा व सलोनी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। वहीं, 'पं.गोविंद बल्लभ पंत का व्यक्तित्व व कृतित्व' विषय पर निबंध प्रतियोगिता में निकिता प्रथम, प्रज्ञा द्वितीय व पायल तृतीय रही। प्रतियोगिता आयोजन समिति में डॉ.शीतल देशवाल, सुश्री स्वाति सुन्दरियाल, सुश्री हिना नौटियाल व सुश्री पूनम सदस्य के रूप में सम्मिलित रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. अखिलेश कुकरेती, डॉ. तौफिक अहमद, श्री विजय कुमार, डॉ. डी.एस.राणा व डॉ.वी.आर. अन्थवाल थे। विजयी प्रतिभागियों को जिलाधिकारी चमोली कार्यालय से प्राप्त होने वाली नकद धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जायेगी।

भूगोल विभाग में हिमालय बचाओ अभियान का शुभारम्भ

9 सितंबर

महाविद्यालय में "हिमालय दिवस" पर हिमालय बचाओ अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया। महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने छात्र एवं छात्राओं को 'हिमालय प्रतिज्ञा' दिलवाते हुए कहा कि हिमालय हमारे देश का गौरव है। हमें इसके संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। प्राचार्य ने सभी को हिमालय दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भूगोल विभाग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्लोगन प्रतियोगिता में मोनिका प्रथम, सपना द्वितीय, पोस्टर प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम, किरन द्वितीय स्थान पर रहीं। निबन्ध प्रतियोगिता में किरन, श्वेता, सारिका थपलियाल, क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में मोनिका, प्रेमा, क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहीं । इस अवसर पर भूगोल विभाग प्रभारी डॉ. तौफिक अहमद ने कहा कि आज हमारे सामने बहुत सी चुनौतियाँ हैं। हमें हिमालय क्षेत्र में हो रही अवैध गतिविधियों पर विशेष ध्यान देकर रोकने का प्रयास करना होगा। डॉ. आर. सी. भट्ट ने कहा कि हिमालय क्षेत्र मे हो रहे परिवर्तन के लिए हम सब जिम्मेदार हैं। श्री नरेंद्र पंघाल ने कहा कि नई पीढ़ी को हिमालय के प्रति चेतना के लिए आगे आकर समाज को भी जागरूक करना होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी व भूगोल विषय के समस्त छात्र – छात्राएँ उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग ने आयोजित की विभिन्न प्रतियोगिताएँ

13 सितंबर

महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बुधवार को सभागार में राजनीति विज्ञान विषय के छात्र - छात्राओं ने वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता,निबंध प्रतियोगिता तथा पोस्टर चार्ट प्रतियोगिताओं में भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने कहा कि राजनीति विज्ञान विषय छात्रों को राजनीति के हर पहलू से अवगत कराता है। वाद - विवाद प्रतियोगिता जिसका विषय था "छात्र संघ चुनाव की प्रासंगिकता", में छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करके इस बात पर जोर दिया कि स्वस्थ छात्र राजनीति के माध्यम से प्रदेश की राजनीति तक पहुँचा जा सकता है। इस प्रतियोगिता में प्रज्ञा प्रथम स्थान, अनुपमा द्वितीय स्थान तथा सोनम तृतीय स्थान पर रही। क्विज प्रतियोगिता में सम्मिलित एन.ई. पी. के छात्र-छात्राओं में सुमित, सानिया, सारिका, साक्षी, दिव्या प्रथम स्थान पर रहे जबकि सोनाली, प्रीति, निशा, लक्ष्मण, स्नेहा, संजना, द्वितीय स्थान पर रहे। "चुनावी राजनीति और मतदान व्यवहार" विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में सारिका थपलियाल प्रथम, प्रज्ञा द्वितीय तथा अनामिका तृतीय स्थान पर रही। पोस्टर एवं चार्ट प्रतियोगिता में सार्थक सिंह व प्रज्ञा प्रथम स्थान,अमीषा द्वितीय स्थान तथा खुशनुमा तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. कविता पाठक, डॉ. मदन शर्मा व श्री कीर्तिराम डंगवाल सहित अनेक प्राध्यापक व राजनीति विज्ञान विषय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एम.ए. अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को कराया गया ग्रोथ सेंटर का भ्रमण

13 सितंबर

एम. ए. अर्थशास्त्र की छात्राओं ने जिला उद्योग केंद्र रुद्रप्रयाग के ग्रोथ सेंटर में लघु एवं कुटीर उद्योगों की बारीकियों को समझा अर्थशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री बी.एल. बैरवाण के नेतृत्व में छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों के सभी पहलुओं से परिचित कराया गया। ग्रोथ सेंटर के समन्वयक भास्कर पुरोहित ने विद्यार्थियों को कच्चा माल, बैंक ऋण, मशीनरी, पैकिंग व मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। ग्रोथ सेंटर में उपलब्ध सोवेनियर, कला कृतियों, बेकरी व मिलेट प्रोडक्ट की निर्माण प्रक्रिया को समझने में विद्यार्थियों ने खासी रुचि दिखाई। प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़, जो स्वयं अर्थशास्त्र के प्राध्यापक रहे हैं, ने कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी देना भी जरूरी है। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों की अनेक जिज्ञासाओं का निराकरण भी स्वतः ही हो जाता है। शैक्षणिक भ्रमण में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर अर्थशास्त्र की सोनम, दीप्ति, बबीता व ऋतु आदि सम्मिलित रहीं।

हिन्दी दिवस पर काव्य पाठ व संगोष्ठी का हुआ आयोजन

14 सितंबर

हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला का शीर्षक "विश्व में बढ़ रही हिन्दी की प्रासंगिकता" रखा गया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी स्वरचित कविताओं व भाषणों के माध्यम से हिन्दी भाषा के महत्व व उसकी उपयोगिता को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के.एल. तलवाड़ द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया । तत्पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में हिंदी विभाग से डॉ.राधा रावत, श्री रविंद्र नेगी, डॉ. चंद्रमोहन जनस्वाण, डॉ. तौफीक अहमद, डॉ. आर.सी.भट्ट, डॉ. इंद्रेश कुमार पाण्डेय, डॉ. वी. आर. अन्थवाल व डॉ. दिशा शर्मा ने भी हिंदी भाषा के सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य ने हिन्दी भाषा की शुद्ध वर्तनी, उच्चारण व साहित्य की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में डॉ. शिवानंद नौटियाल की स्मृति में शैक्षणिक उत्कृष्टता व्याख्यानमाला प्रारंभ

15 सितंबर

महाविद्यालय में डॉ. शिवानंद नौटियाल स्मृति शैक्षणिक उत्कृष्टता व्याख्यानमाला का आयोजन आरंभ किया गया। इस श्रृंखला के प्रथम कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गढ़वाल विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. डी. एस. नेगी रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. के. एल.तलवाड़ द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह का आयोजन राजकीय महाविद्यालयों में एक नई शुरुआत है जिससे संस्थान को शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इन व्याख्यानों से छात्रों के ज्ञानार्जन के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास भी होगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. इंद्रेश पाण्डेय ने मंच संचालन करते हुए बताया कि वर्षभर चलने वाली इस व्याख्यानमाला में देश-विदेश के विभिन्न विषय विशेषज्ञ भौतिक या ऑनलाइन व्याख्यान देंगे। इससे महाविद्यालय के छात्र लाभान्वित होंगे और वर्तमान में अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में हो रहे शैक्षणिक एवं शोध कार्यों से अवगत होंगे। डॉ. शिवानंद नौटियाल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. हरीशचन्द्र रतूड़ी ने उनके द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों को विस्तार से बताया। मुख्य वक्ता का परिचय और शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान की जानकारी डॉ. गोपी प्रसाद ने दी। प्रो. डी.एस. नेगी ने "द न्यू टेक्नोलॉजी ऑफ़ सक्सेस" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो. नेगी एक प्रख्यात न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्रामिंग प्रशिक्षक हैं। उन्होंने छात्रों को जीवन के विभिन्न समस्याओं से निजात दिलाकर सफल जीवन जीने के तरीके को विस्तार से बताया। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सीमित संसाधनों का उपयोग करके सफलता की दर को बढ़ाने के तरीके भी बताये। कार्यक्रम के अंत में डॉ.आर. सी. भट्ट द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

चमोली जिले में अयोजित की गयी उत्तराखण्ड की साहित्य परम्परा पर शोध-संगोष्ठी

15 सितंबर

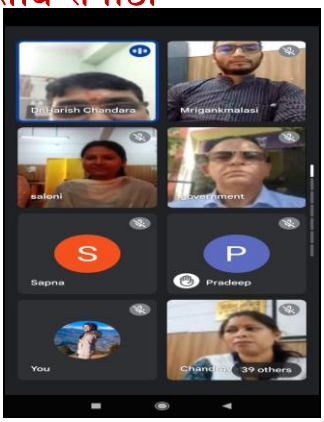

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार द्वारा संस्कृत माह का प्रारम्भ किया गया है। जिसका शुभारम्भ दिनांक 15 सितम्बर 2023 को चमोली जिले से किया गया। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग के संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मृगांक मलासी को चमोली जिले का संयोजक बनाया गया है। संगोष्ठी का विषय था – उत्तराखण्डस्य साहित्य परम्परा। कार्यक्रम का शुभारम्भ कर्णप्रयाग महाविद्यालय की छात्राओं अमीषा रावत एवं सलोनी द्वारा वैदिक मंगलाचरण एवं स्वागत गान से किया गया। अकादमी के शोध अधिकारी डॉ. हरीश गुरुरानी ने अपने प्रास्ताविक उद्बोधन में कहा कि अकादमी ने इस वर्ष संस्कृत मास मनाने का संकल्प लिया है जिसे उत्तराखण्ड के प्रत्येक जिले में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. जोरावर सिंह ने उत्तराखण्ड की साहित्य परम्परा पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक दृष्टि से ईसा की आठवीं शताब्दी के आस-पास संस्कृत आचार्यों का उल्लेख प्राप्त होता है। सर्वप्रथम श्रीहरि का उल्लेख हमें प्राप्त होता है जो चन्द्रवंशीय राजाओं के मूल पुरुष सोमदेव के साथ इस देवभूमि में आए। आज 21 वीं शताब्दी में आचार्य शिवप्रसाद भारद्वाज, आचार्य जगदीश सेमवाल, आचार्य हरिनारायण दीक्षित, डॉ. निरंजन मिश्र आदि विद्वान संस्कृत साहित्य में नूतन ग्रन्थों का प्रणयन कर रहे हैं। यह भी हर्ष का विषय है कि वर्तमान में नये युवा भी संस्कृत गीत, ग्रन्थ आदि की रचना कर रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर सविता मोहन, पूर्व संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा उत्तराखंड जो कि उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी की प्रथम सचिव भी रही हैं, ने कहा कि ये बड़े गौरव का विषय है कि उत्तराखण्ड में संस्कृत साहित्य की परम्परा को अन्य लोग भी जानेंगे। देवभूमि में सैकड़ों विद्वानों ने अपनी सारस्वत साधना से यहाँ का नाम गौरवान्वित किया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री मुनीश्वर वेदांग महाविद्यालय ऋषिकेश के प्रधानाचार्य, डॉ. जनार्दन कैरवान ने कहा कि हमारे प्रदेश में अनेक ऐसे आचार्य हुए हैं जिन्होंने आजीवन साहित्य साधना में अपना जीवन व्यतीत कर दिया लेकिन अधिकांश लोग उनका नाम भी नहीं जानते। । संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कर्णप्रयाग महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने कहा कि संस्कृत भाषा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक भाषा है ऐसे में भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का है, ऐसे में यह और भी आवश्यक हो जाता है उत्तराखण्ड की देवभूमि जिसने प्राचीन समय में भी पग-प्रदर्शन किया था वह आज पुनः इस दायित्व को अपने ऊपर ले। संगोष्ठी का संचालन कर रहे महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मृगांक मलासी ने बताया कि आगामी सत्र में इस विषय पर और भी गम्भीर चिन्तन किया जाएगा। महाविद्यालय में संस्कृत को लेकर प्राचार्य अत्यधिक उत्साही हैं, ऐसे में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी का सहयोग मिलने से यह कार्य और भी अधिक गति से आगे बढ़ेगा। राज्य संयोजक के रूप में डॉ.शिव प्रसाद खाली ने सभी का धन्यवाद किया साथ ही आगामी योजनाओं के विषय में बताया। अंगेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ. पंकज यादव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सौ से अधिक छात्र-छात्राएँ एवं अन्य जन सम्मिलित हुए। समस्त कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से हुआ। संगोष्ठी में संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. चन्द्रावती टम्टा, डॉ. हरीश बहुगुणा व डॉ.पंकज कुमार सहित अन्य प्राध्यापक,शोध छात्र व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

"ओजोन परत संरक्षण " पर भूगोल विभाग में विचार गोष्ठी का आयोजन

16 सितंबर

महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा ओजोन दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में भूगोल विभाग से विभाग प्रभारी डॉ तौफिक अ हमद, डॉ. आर सी भट्ट, डॉ. नेहा तिवारी, श्री नरेंद्र पंघाल, डॉ.वी.पी भट्ट, डॉ.डी.एस.राणा, डॉ. वी.आर .अंन्थवाल कार्यक्रम में उपस्थित थे। डॉ.आर.सी.भट्ट ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ओजोन परत गैस की एक नाज़ुक ढाल है जो पृथ्वी पर सूर्य से निकलने वाली हानिकारक किरणों से हमें बचाती है। डॉ. तौफिक अहमद ने ओजोन परत के संरक्षण के लिए वियना कन्वेंशन के बारे में जानकारी दी। डॉ. नेहा तिवारी ने ग्लोबल वार्मिंग के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की जानकारी दी। श्री नरेंद्र पंघाल ने वैश्विक तापमान से हो रहे परिवर्तन के बारे में बताया। एम.ए.तृतीय सेमेस्टर भूगोल विषय की छात्रा हिमानी, स्वेता, प्रेमा, सुमन, नेहा, नेहा टम्टा, निधि, रिकी ,पिंकी, आयुष, संजय, अमित प्रकाश ने भी अपने विचार भाषण एवं कविता के माध्यम से प्रकट किए।

महिंद्रा प्राइड क्लासेज: रोजगार कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ

18 सितंबर

महाविद्यालय में महिंद्रा प्राइड क्लासरूम (नांदी फाउंडेशन) की ओर से 6 दिवसीय रोजगार कौशल प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के उ द्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण की आवश्यकता छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण में अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राएं रोजगार कौशल प्राप्त कर पाएंगे एवं व्यक्तित्व विकास के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि आंतरिक एवं बाह्य व्यक्तित्व का विकास छात्र-छात्राएं किस प्रकार कर सकते हैं इस कार्यक्रम के माध्यम से सीखेंगे । कार्यक्रम के संचालक डा. हरीश बहुगुणा ने महिंद्रा प्राइड क्लासरूम प्रशिक्षिकाओं का स्वागत किया । नांदी फाउंडेशन की ओर से आए हुए प्रशिक्षिकाओं सुश्री योगिता, सुश्री रितिका, सुश्री ज्ञानेश्वरी ने कार्यक्रम के विषय में महाविद्यालय की छात्राओं को जानकारी दी एवं भविष्य निर्माण में इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। प्राध्यापक विजय कुमार, कमल किशोर द्विवेदी, श्रीमती पूनम ने अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

ई-रक्त कोष में पंजीकरण करने में महाविद्यालय परिवार ने दिखाया उत्साह

18 सितंबर

ई-रक्त कोष से संबंधित पंजीकरण कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार ने खासा उत्साह दिखाया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की हमारे जीवन में ऐसे प्रकल्पों की अत्यन्त आवश्यकता है। चिकित्सा अधिकारी डा. राजीव कुमार ने विद्यार्थियों को रक्तदान एवं उससे संबंधित अनेक जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक डा. मृगांक मलासी ने कहा कि ई-रक्त कोष के माध्यम से कोई भी किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर हम तुरंत सहायता दे सकते हैं और सहायता प्राप्त भी सकते हैं ।कार्यक्रम में डा.दीप सिंह, डा.नरेंद्र पंघाल, डा.चंद्रमोहन जनस्वाण, डा.जितेंद्र कुमार, डा.सुशील सती सहित समस्त प्राध्यापक सम्मिलित रहे।ई-रक्त कोष पोर्टल पर लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने रजिस्ट्रेशन करवाया । प्राचार्य ने कहा कि शीघ्र ही स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन भी महाविद्यालय में करवाया जायेगा।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में मेक्सिको के वैज्ञानिक का व्याख्यान

18 सितंबर

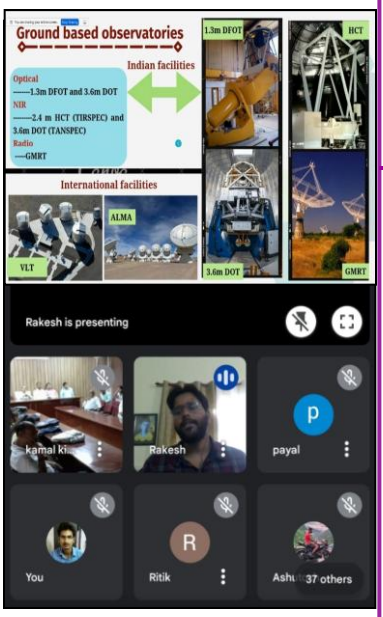

डा. शिवानंद नौटियाल स्मृति शैक्षणिक उत्कृष्टता व्याख्यानमाला श्रृंखला का द्वितीय व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मेक्सिको विश्वविद्यालय में कार्यरत अंतरिक्ष वैज्ञानिक डा. राकेश पाण्डेय रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन से छात्रों को विषय को गहराई से समझने में सुविधा होगी। व्याख्यानमाला के समन्वयक डा. इंद्रेश कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए वर्षभर चलनेवाली इस व्याख्यानमाला की उपयोगिता बताई। भौतिक विज्ञान विभाग के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभाग प्रभारी डा. मानवीरेन्द्र सिंह ने अंतरिक्ष विज्ञान के महत्व को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के संयोजक डा.कमल किशोर द्विवेदी ने मुख्य वक्ता का परिचय और शोध क्षेत्र में उनके योगदान की जानकारी दी। 'आकाशगंगा में तारों के जीवन-चक्र' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान में अंतरिक्ष से जुड़े विभिन्न पहलूओं पर विस्तार से विमर्श हुआ। कार्यक्रम के अंत में डा.हरीश रतूड़ी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डा.जितेन्द्र सिंह, डा. विजय कुमार, डा.हरीश बहुगुणा सहित सभी शिक्षक व तमाम विद्यार्थी मौजूद रहे।

एनएसएस के तत्वावधान में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत उत्तराखंड और कर्नाटक की संस्कृति की प्रस्तुत

20 सितंबर

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने उत्तराखण्ड व कर्नाटक के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी । महाविद्यालय ऑडिटोरियम में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल है। यह देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक दूरी कम करने का एक सराहनीय प्रयास है।इतिहास विभाग के प्राध्यापक डा॰.वेणीराम अन्थवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में कर्नाटक राज्य, जिसे उत्तराखण्ड के साथ संबद्ध किया गया है,के खान-पान, सांस्कृतिक परिवेश व पर्यटन की विस्तृत जानकारी स्लाइड शो के माध्यम से दी।कु.प्रज्ञा ने अपने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से उत्तराखण्ड और कर्नाटक के विभिन्न पहलुओं पर तुलना करते हुए विस्तार से प्रकाश डाला।वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा.चन्द्रावती टम्टा ने बताया कि समय-समय पर 'एक भारत,श्रेष्ठ भारत' के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम अधिकारी डा.चन्द्र मोहन जनस्वाण व डा.हिना नौटियाल ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से कर्नाटक व उत्तराखण्ड की संस्कृति का आदान-प्रदान होगा और इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक व बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का हुआ समारोहपूर्वक आयोजन

24 सितंबर

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का 55वां स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। एनएसएस की संगम वाटिका में वृक्षारोपण कर स्वयंसेवी छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। रविवार को ऑडि-टोरियम में कार्यक्रम अधिकारी डा.चन्द्रावती टम्टा, डा.चन्द्रमोहन जन्सवाण व डा.हिना नौटियाल के संयुक्त निर्देशन में स्वयंसेवियों ने एनएसएस के लक्ष्य गीत के साथ ही देशभक्ति की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सिंगलयूज प्लास्टिक के विरोध में छात्राओं ने पुराने कपड़ों से बनाये आकर्षक थैलों व पोस्टर को प्रदर्शित किया। वन विभाग द्वारा दिये गये शोभादार व फलदार पौधे एनएसएस संगम वाटिका में रोपे गये। प्राचार्य प्रो.के.एल.तलवाड़ द्वारा पूर्व में संपादित किये गए राज्यस्तरीय एनएसएस न्यूज लैटर के..... शेष पृष्ठ सं..... 7 पर

पृष्ठ सं. 6 का शेष..... **राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस.....**

बीस अंकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य ने कहा कि एनएसएस की स्थापना महात्मा गांधी जी के जन्म शताब्दी वर्ष में 24 सितंबर 1969 को हुई थी। समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास ही इसका मुख्य उद्देश्य है।डा.इन्द्रेश पांडेय ने मोटे अनाज 'मिलेट्स' पर उपयोगी व्याख्यान दिया। इस अवसर पर समाजसेवी के रूप में मुख्य अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष गैरोला एवं समाजसेवी अरविंद चौहान को सम्मानित किया गया।जिन्होनें युवाओं को समाज सेवा व रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। डा.मृगांक मलासी ने गंगा संरक्षण पर ओजपूर्ण कविता प्रस्तुत की।कार्यक्रम में डा.विजय कुमार,डा.डी.एस.राणा,पंकज यादव, डा.वी.आर.अंथवाल,डा.स्वाति सुन्दरियाल,छात्र संघ अध्यक्ष आयुष नेगी व बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवी मौजूद रहे।

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में वंदना रही अव्वल

23 सितंबर

वाणिज्य विभाग के द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में वंदना को प्रथम स्थान मिला। मंगलवार को वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में वाणिज्य, लेखांकन, अर्थशास्त्र एवं ई-कॉमर्स से संबंधितविषयों पर चार्ट ,पोस्टर, एवं मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वंदना को,द्वितीय स्थान नीतिशा बिष्ट को एवं तृतीय स्थान संध्या कण्डवाल को मिला । प्राचार्य प्रो.के. एल. तलवाड़ ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त छात्र- छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अवसर मिलने पर ही प्रतिभायें निखरती हैं इसलिए प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण होता है। प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए विभाग प्रभारी डा. हरीश चंद्र रतूड़ी,डा.रविंद्र कुमार, डा. नेतराम, डा दीप सिंह, डा. हीना नौटियाल, डा. विजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित हुई निबंध प्रतियोगिता में रितिक प्रथम

27 सितंबर

महाविद्यालय में यूथ पर्यटन क्लब के तत्वावधान में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय स्तर पर उभरते पर्यटक स्थल पर निबंध लिखकर छात्र छात्राओं ने अपने स्थानीय पर्यटन स्थलों को उजागर करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के.एल.तलवाड़ ने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन की दृष्टि से एक समृद्ध प्रदेश है, आवश्यकता है कि इन पर्यटन स्थलों को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना। इस प्रतियोगिता में बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर के रितिक सिंह ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की अमीषा रावत ने द्वितीय स्थान तथा बी.ए.द्वितीय सेमेस्टर की प्रज्ञा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अक्षत डिमरी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर युवा पर्यटन क्लब के संयोजक डा. मदन शर्मा, डा. मृगांक मलासी, डा.कीर्तिराम डंगवाल तथा डा. पंकज यादव आदि उपस्थित रहे।

नवनिर्मित पीजी कला संकाय भवन का तृतीय पक्ष निरीक्षण संपन्न, भवन हस्तांतरित

29 सितंबर

उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा गठित समिति ने नवनिर्मित पीजी कला संकाय भवन का तृतीय पक्ष निरीक्षण किया। इस समिति में अध्यक्ष के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक द्वारा नामित नोडल अधिकारी गोपेश्वरमहाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.कुलदीप सिंह नेगी, जिलाधिकारी चमोली द्वारा नामित लोक निर्माण विभाग के अपर सहायक अभियंता ललित गैड़ी एवं सदस्य सचिव के रूप में कर्णप्रयाग महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. एल. तलवाड़ सम्मिलित रहे। कार्यदायी संस्था मंडी परिषद के सहायक अभियंता बी.एल.गुप्ता व महाविद्यालय अनुश्रवण समिति के सदस्यों की उपस्थिति में तृतीय पक्ष निरीक्षण कार्य संपन्न हुआ। प्राचार्य प्रो.तलवाड़ ने बताया कि महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर सात विषय संचालित हैं। नवनिर्मित पीजी भवन के हस्तांतरण से इन कक्षाओं का संचालन सुचारू हो जायेगा,साथ ही शोध कार्य को भी बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर महाविद्यालय अनुश्रवण समिति के डा.मानवीरेन्द्र कंडारी, डा.आर.सी.भट्ट, डा.सत्यराज सिंह,वैयक्तिक अधिकारी सोहन लाल मुनियाल व जे.एस.रावत आदि मौजूद रहे।

डॉ. शिवानन्द नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्णप्रयाग (चमोली) की महाविद्यालयीय गतिविधियों एवं सूचनाओं के प्रसार हेतु

संरक्षक - प्राचार्य प्रो. (डॉ.) के. एल. तलवाड़

सम्पादक – डॉ. मृगांक मलासी

सह-सम्पादक - डॉ. मदन लाल शर्मा

सह-सम्पादक - डॉ. पंकज कुमार यादव

छात्र संपादक – अमीषा रावत, तनीषा सती, प्रज्ञा